ओमशांति

मोटिवेशनल टॉक ओन :

"क्रिएटिंग अ मिरेकल - सेलिब्रेटिंग लाइफ"

डॉक्टर्स प्रोग्राम : 7 जुलाई, २०१९ सुबह 9.३० से दो. १२.००

प्रजापिता ब्रह्माकुमारिस - डोंबिवली सेंटर की और से डोंबिवली के ब्राह्मण सभा हॉल में 07 जुलाई 2019 को डॉक्टरों के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में लगभग 150-200 डॉक्टर्स एवं उनके परिवार ने भाग लिया.

कार्यक्रम की शुरुआत 3 मिनट प्रभु स्मृति एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

Figure 1 : Left Dr. BK Kirtimala, Dr.Tara Naik, Dr.Gayatri Kulali, Rajyogini BK Shaku didi, Dr. Bhavana Thakkar, Dr. Suny Purohit, Dr. Vijay Khatri, Dr. Vilas Ladda, Dr. V.M. Shetty, Dr. Suresh Thakkar

स्टेज सचिव बी.के. सरीता ने ब्रहमाकुमारी संस्था और मेडिकल विंग की गतिविधियों की जानकारी दि |

ब्रह्माकुमारी बी.के. मनीषा और बी.के. तेजा ने बैज और तुलसी के पौधे के साथ अतिथिओ का स्वागत किया।

बी.के. नीती और बी.के. सारंगी ने अपनी डांस द्वारा सभी का सुस्वागतम किया |

मुख्य अतिथि डॉ. बी.के. विजय खत्री (एमडी - चेस्ट मेडिसिन, प्रोफेसर केईएम अस्पताल, सेठ जी.एस. मेडिकल कॉलेज) ने "क्रिएटिंग मिरेकल - सेलिब्रेटिंग लाइफ" पर एक प्रेरक व्यक्तव्य दिया। आपने बताया कि मनुष्य जीवन में परिवर्तन निरंतर होता ही रहता है। इस पर उदाहरण देकर उन्होंने 1. प्रकृति का परिवर्तन (जैसे सूर्योदय और सूर्यास्त होता है) उन्होंने आगे विस्तार से बताया कि प्रकृति हमें कुछ भी वापस किए बिना बहुत कुछ देती है। 2. झाड़ अपने फल नहीं खाते हैं। 3. नदी अपना पानी नहीं पीती । इसी तरह हम डॉक्टरों को भी अधिकतम मनुष्योंको देने के बारे में सोचना चाहिए । उन्होंने आगे सभी को प्रेरणा दी की हर स्थिति में सकारात्मक कैसे सोचें और अंतिम समय तक उसको कायम रखे, अपनी उम्मीद को कभी नहीं छोड़े ।

राजयोगिनी शकु दीदीजी (डोंबिवली सेंटर के संचालिका) ने अपने शक्तिशाली प्रेरनादायी शब्दों के साथ सभी को आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों को "भगवान का रुप" माना जाता है। वे मरीजों की सेवा करके बहुत अद्भुत काम कर रहे हैं। लेकिन ऐसा करते समय उन्हें हमेशा एक बहुत ही सकारात्मक दृष्टिकोण रखना चाहिए और दवाओं के साथ- साथ उन्हें अच्छे विचार और प्रकम्पन भी देने चाहिए ताकि उनके मरीज जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। उन्होंने आगे समझाते हुए कहा कि दवाइया और आहार के साथ सकारात्मक विचार भी अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर शारीरिक रूप से ठीक करते हैं लेकिन परमपिता परमात्मा सबसे बड़ा सर्जन है जो आंतरिक आत्मा को ठीक करता है और अविश्वसनीय कार्य कर देता है।

Figure 2: Rajyogini B.K. Shaku Didiji (Director - Dombivli)

प्रसिद्ध डॉ. तारा नाइक (MDDGO) अश्विनी मैटरनिटी एंड सर्जिकल हॉस्पिटल और डॉ. वी.एम. शेट्टी (कंसल्टिंग आर्थो और ट्रॉमा सर्जन) और भ्राता बी. के. केशव भोईर (गावदेवी विद्यामंदिर के अध्यक्ष) एवं गायत्री भोईर इन्होने शकु दीदीजी को उनके 43 साल की निस्वार्थ सेवा और समर्पण के लिए सन्मानित किया।

डॉ बी.के. कीर्तिमाला (होमियोपैथ, राजयोग शिक्षक) ने मैडिटेशन का मार्गदर्शन किया और सुंदर विचार दिए और सभी शांति का अनुभव कराया, जिससे वातावरण पवित्र और प्रसन्न हो गया।

डॉ.सुनी पुरोहित (इंडियन डेंटल एसोसिएशन के अध्यक्ष) ने शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह पहली बार है जब वह ब्रह्माकुमारियों द्वारा आयोजित इस तरह के एक सुंदर कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं और बेहद खुश हैं कि उन्होंने इसमें भाग लेने के लिए कुछ समय निकाला। उन्होंने माउंट आबू में सम्मेलन में भाग लेने की इच्छा व्यक्त की।

डॉ. गायत्री कुआली (N.I.M.A फाउंडेशन के अध्यक्ष) ने भी शुभकामनाएँ दी और कहा कि उन्होंने ब्रह्माकुमारियों से बहुत सारी अच्छी बातें सीखी हैं।

डॉ. भावना ठक्कर (होम्योपैथी के अध्यक्ष) ने कहा कि वह शकु दीदी की बातचीत और ब्रह्माकुमारिस गतिविधियों से इतनी प्रेरित हैं कि उन्होंने सभी डॉक्टरों की ओर से शकु दीदीजी को वंदन किया।

ब्रह्माकुमारियों के केंद्र से निरंतर संपर्क में रहने वाले डॉक्टरों को आदरणीय शकुदिदिजी द्वारा उनके निस्वार्थ सेवा और समर्पण के लिए सम्मानित किया गया ।

डॉ. विलास लड्ढा (मुख्य - आरोग्य समिति अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा) जो हर गुरुवार को सेवाकेंद्र पर आते हैं और ब्रह्माकुमारी भाई बहनों के लिए अपनी निस्वार्थ सेवा देते हैं, उन्होंने कहा कि सभी को निस्वार्थ भाव से काम करना चाहिए ताकि वे अधिकतम आशीर्वाद प्राप्त कर सकें।

डॉ. वी. एम्. शेट्टी (कंसल्टिंग आर्थो और ट्रॉमा सर्जन) ने कहा कि उनके पूरे अस्पताल में शांति और खुशी का माहौल है जब कोई भी ब्रह्माकुमारी बहनें अपने अस्पताल आती हैं।

डॉ. निखिल शसाने (एमडी - होमो डांस थैरेपी क्लब इंडिया) ने एक पुराने गाने "सजन रे जूठ मत बोलो खुदा के पास जाना है" पर एक खूबसूरत डांस थेरेपी का प्रदर्शन किया, जिसमें सभी दर्शकों ने भाग लिया और स्वयं को तरोताजा महसूस किया।

डॉ. बी.के. परेशा भानुशाली (L.C.E.H.) ५६ वर्षों से ज्ञान में हैं और डॉ. बी.के. रवींद्र दुवुरी (क्लिनिकल न्यूट्रिशनिस्ट एंड हर्बल कंसल्टेंट) जिनका भी शकु दीदीजी ने ब्रह्माकुमारीज़ में निस्वार्थ सेवाएं देने के लिए सन्मान किया ।

मंच में उपस्थित सभी डॉक्टरों का शकु दीदीजी द्वारा शॉल, मोमेंटो और टोली देकर सम्मानित किया गया।

शकु दीदी ने ब्राह्मण सभा हॉल के अध्यक्ष श्री वसंत भाई पलसुले को भी धन्यवाद दिया और उन्हें शॉल और मोमेंटो देकर सम्मानित किया। उपस्थित सभी डॉक्टरों को माउंट आबू में डॉक्टरों के सम्मेलन में आनेका निमंत्रण दिया।

कार्यक्रम में सभी डॉक्टरों को धन्यवाद देते हुए परमात्मा की याद के साथ यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। जो डॉक्टर्स इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे उन्हें प्रसाद, सात्विक भोजन और सर्टिफिकेट दिया गया और प्रोग्राम की समाप्ति हुई।

ओमशांति